जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 51
दिनांक 25.03.2022

सुदूरसंवेदन के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

जबलपुर 25 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में भारत सरकार एवं विश्व बैंक से प्राप्त परियोजना नेशनल एग्रीकल्चर हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी) के अंतर्गत बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए सुदूर संवेदन के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा क्यूजीआईएस का उपयोग करते हुए सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण कृषि अभियांत्रिकी संकाय में डॉ. आर.के. नेमा, डॉ. मनोज कुमार अवस्थी (प्रिंसिपल साइंटिस्ट) के निर्देशन तथा डॉ. एम.एल. साहू के संयोजन में दिनांक 22 अप्रैल को समाप्त होगा। इसमें ड्रिप सिंचाई प्रणाली का संचालन, डिजाइन और रखरखाव, सर्वेक्षण और समतल तकनीक, सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली बुनियादी जानकारी तथा इनका कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग जैसे समस्या ग्रस्त मिट्टी की पहचान, फसल उत्पादन पूर्वानुमान, फसल की क्षति और प्रगति का आकलन, फसल में पोषक तत्वों की कमी का पता लगाना, बाढ़ मानचित्रण और निगरानी के साथ–साथ क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके उपग्रह की दृश्य छविव्याख्या, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, फसल सूची और फसल संसाधन प्रबंधन, मानचित्र का भू–संदर्भन, लैंडसैट–8 उपग्रह डेटासेट को डाउनलोड करना, भूमि उपयोग भूमि आच्छादन वर्गीकृत डेटा की क्षेत्रफल गणना एवं मानचित्र तैयार करना आदि विषयों मे भी जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण में 90 छात्रों ने पंजीयन कराया है। इस प्रशिक्षण में डॉ. अर्पणा बाजपेयी, इजी. अंजली पटेल, डॉ. एस.के. प्यासी, एच.एम. वासिक, डॉ. आर.एन श्रीवास्तव, वाई.एन. श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. बाजपेयी, डॉ. सौरभ नेमा, ओमप्रकाश प्रजापति, इजी. कृष्णा सिंह, इजी रचित नेमा, डॉ पी.एस. पवार, डॉ. देवेन्द वास्ट, सुमित काकडे, डॉ. उमाकांत रावत, इजी. अलोक राजपूत और अनिकेत राजपूत के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम भविष्य मे होने वाले अनुसधान के लिए उपयोगी साबित होगा।

–000–